Class Notes	
कक्षा: दूसरी	**नीति के दोहे (केवल याद करने के लिए)**
विषय: हिंदी	

नीति के दोहे

1. ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय।
   औरन को सीतल करें, आपहु सीतल होय।।

2. दुख में सुमिरन सब करे, सुख में करे न कोय।
   जो सुख में सुमिरन करे, दुख काहे को होय।।

3. माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
   कर का मनका डारी के, मन का मनका फेर।।

4. बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलया कोय।
   जो मन खोजा आपना, मुझसा बुरा ना कोय।।

5. काल करे सो आज कर, आज करे सो अब।
   पल में परलय होएगी, बहुरि करोगे कब।।

✡ **उपरोक्त लेखन सामग्री घर पर ही रहकर तैयार की गई है।**